www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 331 || लखनऊ
रविवार
08 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:23
सूर्यास्तः 06:11
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 03

विशेष समाचार
नेपाल को किस तरफ ले जायेगा... >> पेज 02
एलडीए बनाएगा पार्क व्यू अपार्टमेंट्स... >> पेज 04
नंगे पैर तिरुमला मंदिर पहुंचीं...

बीजेपी-आरएसएस की बैठक में पदाधिकारी बोले-अफसर नहीं सुनते हैं

फतेहाबाद रोड स्थित अमर कन्वेंशन सेंटर पर RSS ब्रज क्षेत्र की समन्वय बैठक में 23 पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री इस बैठक में करीब दो घंटे मौजूद रहे। इस बीच संवाद के दौरान RSS पदाधिकारियों ने शहर में अवैध कब्जों को लेकर सवाल खड़े किए। पदाधिकारियों ने कहा-शहर अवैध कब्जों से पटा है। कब्जे हटा जाएं। ताज ट्रिपेजियम जोन (टीटीजेड) में उद्योगों पर लगे प्रतिबंध पर भी चर्चा हुई। संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने इसे हटाने की पहल करने की मांग उठाई। जिससे कि आगरा में उद्योग स्थापित हो सकें और रोजगार के अवसर विकसित हो सकें।

- आगरा के खेरिया हवाई अड्डा पर मुख्यमंत्री की अगवानी की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का आगरा में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।
- आगरा के इसी होटल में चल भाजपा और संघ पदाधिकारियों की बैठक हुई।

सीएम की डिनर डिप्लोमेसी, स्वयंसेवकों संग लंच

सीएम योगी ने RSS के स्वयंसेवकों के साथ लंच किया। इस दौरान सभी को लौकी की सब्जी, मटर-गोभी की मिक्स सब्जी, दाल, रोटी सर्व की गई। पूरा खाना बिना प्याज और लहसून के बना था। सीएम योगी ने भी यही खाना खाया। सीएम योगी ने RSS के स्वयंसेवकों के साथ लंच किया। इस दौरान सभी को लौकी की सब्जी, मटर-गोभी की मिक्स सब्जी, दाल, रोटी सर्व की गई।

"मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकार की सोच माफिया तक सीमित थी, इसलिए उन्होंने माफिया विकसित किए। हमने मेडिकल कॉलेज विकसित किया। सरकार ने हर डिस्ट्रिक के लिए एक मेडिकल कॉलेज दिया। यूपी में दो एम्स भी संचालित हो रहे हैं। यथार्थ हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बहुत जल्द सुपर स्पेशिलियटी अस्पताल के लिए सरकार पॉलिसी लेकर आ रही है। मेडिकल कॉलेज बनाने में सरकार सहयोग करेगी।

विधानसभा चुनाव की तैयारी पर मंथन

इस बैठक का एक मुख्य एजेंडा वर्ष 2027 में होने वाले UP विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन और सरकार के बीच समन्वय की मजबूती पर जोर दिया गया। संघ और भाजपा नेतृत्व प्रदेश में बूथ स्तर तक संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसंपर्क कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। ऐसे में समय रहते भाजपा और RSS बूथ लेवल तक अपने संगठन को कसने पर मंथन हुआ। संघ के शताब्दी वर्ष को भी ध्यान में रखते हुए व्यापक सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर विचार हुआ।

जींद की फैक्ट्री में आग, 5 महिलाओं की मौत

17 मजदूर झुलसे, मेन गेट पर बाहर से ताला लगा था

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

जींद। हरियाणा के जींद में शनिवार को होली के गुलाल और रंग बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 17 मजदूर झुलस गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। घटना सफीदों की भाट कॉलोनी की है। आरोप है कि फैक्ट्री के मेन गेट पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जब फैक्ट्री में आग लगी तो मजदूर बाहर नहीं निकल पाए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी यह नहीं पता चल

पाया है कि आग कैसे लगी। सूचना पर DC मोहम्मद इमरान रजा और SP कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, सफीदों की भाट कॉलोनी में स्थित एक रंग फैक्ट्री में शनिवार को अन्य दिनों की तरह लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में यह पूरे परिसर में फैल गई।

'उन्होंने माफिया बनाए, हमने मेडिकल कॉलेज'

आगरा में सीएम ने कहा-हम सुपर स्पेशिलियटी अस्पताल की पॉलिसी ला रहे

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के पहले की सरकारों पर जमकर हमला बोला। कहा पहले माफिया राज था। 2017 से पहले यूपी में सिर्फ 17 मेडिकल कॉलेज थे। आज हम 81 मेडिकल कॉलेज संचालित कर रहे हैं। पहले मेडिकल कॉलेज नहीं थे, तब वन डिस्ट्रिक-वन माफिया था।

अब वन डिस्ट्रिक-वन मेडिकल कॉलेज है। उसके पहले मुख्यमंत्री ब्रज क्षेत्र के आरएसएस और भाजपा की समन्य बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से जुड़ी तैयारियों पर मंथन हुआ।

बैठक में आगरा शहर में अतिक्रमण और अफसरों की अनदेखी का मुद्दा भी उठा। बैठक में पदाधिकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। कहा-अधिकारी सुनते ही नहीं।

पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अपना रवैया बदलें। बैठक में आगामी चुनाव की रणनीति के रोडमैप पर मंथन किया गया। बैठक में संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और

बिन बुलाए नेताओं को बैठक में एंट्री नहीं मिली

भाजपा ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष दिग्विजय सिंह की भी बैठक में एंट्री नहीं। जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया और महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता के साथ कन्वेंशन सेंटर के बाहर खड़े रहे। बताया गया कि इन नेताओं को बैठक में बुलाया नहीं गया था, फिर भी पहुंचे थे। इसीलिए रोक दिया गया। बैठक में सिर्फ आरएसएस के ब्रज प्रांत के अधिकारी और विभाग प्रचारक मौजूद रहे।

2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा आ चुके हैं। वे 4 घंटे शहर में रहेंगे। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और BJP की ब्रज प्रांत की होने वाली समन्वय बैठक में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आगरा के यथार्थ हॉस्पिटल का इनॉग्रेशन करेंगे। भाजपा-आरएसएस की बैठक के बाद वह यहां पहुंचेंगे। यहां पर उदघाटन से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

प्रदेश अध्यक्ष बोले-मिलने-जुलने के लिए बैठक थी

भाजपा-आरएसएस की समन्वय बैठक में शामिल होने आए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने दैनिक भास्कर से कहा-ये मिलने-जुलने के लिए बैठक थी। बैठक में इसके अलावा कुछ विशेष नहीं रहा। क्या चुनाव की रणनीति के संबंध में कोई चर्चा हुई, इस सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष ने टालते हुए कहा, इस विषय पर कोई चर्चा नहीं हुई।

नेता नहीं होता, तो एयरोस्पेस कारोबारी होता : राहुल

चीन की तारीफ में कहा- इसका इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सिस्टम बेजोड़

तारीफ

तमसा संकेत, एजेंसी

त्रिवेंद्रम। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को त्रिवेंद्रम में कहा कि अगर वे पॉलिटिक्स में नहीं होते, तो एयरोस्पेस की दुनिया में एंटरप्रेन्योर (कारोबारी) होते। राहुल ने कहा- मेरे परिवार में पायलट रहे हैं। मेरे पिता और चाचा पायलट थे। राहुल केरल के दो दिन के दौरे पर हैं। वे टेक्नोपार्क में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) फ्रेटरनिटी के साथ बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चाइना के इंडस्ट्रियल सिस्टम की तारीफ की। कांग्रेस सांसद ने कहा- चीन ने एक शानदार इंडस्ट्रियल सिस्टम बनाया है जिसका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन हमें उनका जबरदस्ती वाला सिस्टम पसंद

नहीं। वे डेमोक्रेटिक नहीं हैं। राहुल गांधी ने केरल के इडुक्की जिले के कुट्टिकनम में चाय बागान के मजदूरों से बातचीत की और वर्कला के शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की समाधि पर भी गए। राहुल ने कहा कि दुनिया में युद्ध की तकनीक तेजी से बदल रही है। यूक्रेन के युद्ध में ड्रोन तेजी से इस्तेमाल हो रहे हैं, जो पुराने पेट्रोल-डीजल इंजन वाली तकनीक को पीछे छोड़ रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में मौजूद रहने के लिए 3-लाइन व्हिप जारी किया है। कांग्रेस ने अपने सांसदों से कहा है कि वे इन दिनों सदन में मौजूद रहें क्योंकि लोकसभा स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना है।

राम रहीम पत्रकार छत्रपति हत्याकांड में बरी

चंडीगढ़। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल CBI कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जिस वजह से राम रहीम को बरी कर दिया गया।

हिमाचल के मैदानी इलाकों में हीट-वेव

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में आज हीट वेव महसूस की गई। मंडी के सुंदरनगर, सोलन, धर्मशाला और भुंतर में तेज गर्मी की लहर देखी गई। मौसम विभाग ने अगले कल (रविवार को) भी इन चार जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए लोगों को दिन के समय धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

बंगाल में कॉन्फ्रेंस की जगह बदलने पर राष्ट्रपति नाराज

बोलीं-राज्य सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहती

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बंगाल में कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर शनिवार को नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन जैसी हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। राष्ट्रपति ने कहा... नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई राज्य मंत्री उन्हें रिसीव करने आया। मुझे नहीं पता कि ममता मुझसे नाराज हैं या नहीं। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। उन्होंने कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर कहा कि अगर प्रोग्राम बिधाननगर में होता,

- पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में संबोधित किया।

तो बेहतर होता। वहां काफी जगह है और बहुत से लोग आ सकते थे। लेकिन मुझे नहीं पता कि राज्य प्रशासन ने वहां मीटिंग की इजाजत क्यों नहीं दी। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि ये शर्मानाक है, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। दरअसल 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पहुंचीं थीं। इसी दौरान उन्होंने छोटे कार्यक्रम स्थल को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि फांसिदेवा में तय किया गया मैदान काफी छोटा था, जिसके कारण कई लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आदिवासी समुदाय के हर साल होने वाले प्रोग्राम में बुलाया गया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

'जिंदा हिंदू लखनऊ चलें'- लिखे पोस्टर बांटे, गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा करेंगे

किसी की औकात नहीं मुझे शंकराचार्य न माने : अविमुक्तेश्वरानंद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गोमाता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कहीं। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का

अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें। वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य काशी से 5 दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे। काशी से शंकराचार्य पहले जौनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- हमारे शंकराचार्यों पर सवाल उठाने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारे धर्म में 4 शंकराचार्य हैं। जब सर्वोच्च शंकराचार्यों ने मेरा अभिषेक कर दिया, तो फिर किसी की क्या औकात

है कि वह कहे, हम इन्हें नहीं मानते। उन्होंने कहा कि जो शंकराचार्य बनाता है, उसी को हटाने का भी अधिकार है। इसके बाद शंकराचार्य सुल्तानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- अरे पहले गो-माता की हत्या तो बंद कराओ। आज हिंदू राष्ट्र घोषित कर दोगे, तो क्या कल सवेरे से वहां गो-हत्या बंद हो जाएगी? इससे पहले प्रतापगढ़ पहुंचे शंकराचार्य का स्वागत किया गया। यहां यूजीसी से जुड़े कानून को लेकर शंकराचार्य ने कहा कि जो लोग मंच से 'बंटोगे तो कटोगे' जैसे नारे लगाते हैं। वही ऐसे कानून लेकर आते हैं, जिनसे समाज में मतभेद पैदा हो सकता है।

"डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के लखनऊ में स्वागत वाले बयान पर शंकराचार्य ने कहा- जिसके मन में जो है, यही मौका है, बोल दे। जो गाय के पक्ष में है, वो बोल रहा है। अपनी अभिव्यक्तियों से वे बता रहे हैं कि हम किधर हैं। जो हिम्मती लोग हैं, वो बोलेंगे कि मैं गाय के पक्ष में हूं। जो अंदर से मक्कार है, कालनेमि है, वो कुछ नहीं बोलेंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

योगी की मां पर मौलाना ने भड़काऊ की टिप्पणी

लखनऊ में सड़कों पर उतरे लोग, शव यात्रा निकाली, पुतला फूंका

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सालिम चतुर्वेदी ने यूपी के CM योगी आदित्यनाथ की मां पर आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान दिया है। इससे भाजपा कार्यकर्ता और योगी फैंस भड़क उठे हैं। शनिवार को लखनऊ में लोगों ने मौलाना का पुतला फूंका। उसे पैरों से कुचला। इससे पहले युवाओं ने हजरतगंज में मौलाना की शव यात्रा निकाली। उसके बाद चौराहे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस ने छात्रों को रोकने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। लोगों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने मौलाना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे युवकों ने कहा- योगी यूपी के दिल और जान हैं। उनकी मां पूरे भारत की मां हैं। उनके लिए माताएं और बहनें भी प्रदर्शन करेंगी। उधर, भाजपा नेता और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा बिष्ट यादव ने मौलाना पर निशाना साधा।

>> (शेष पेज 04 पर)

'योगी की मां पूरे भारत देश की मां हैं'

जतिन ने कहा, ये जांच का विषय है कि क्या ऐसे लोगों को किसी का संरक्षण तो नहीं मिल रहा है। अभी कुछ दिन पहले लखनऊ विश्वविद्यालय में लाल बारादरी प्रकरण में कांग्रेस और सपा के लोग एकता और भाईचारा की बातें कर रहे थे। आज इस विषय पर वह सभी लोग मौन हैं। यह उनकी राजनीतिक गरिमा को दर्शाता है। किसी की मां पर इस तरह की टिप्पणी करना बेहद गलत है।

- छात्रों ने लखनऊ के हजरतगंज में मौलाना की शव यात्रा निकाली। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की।
- पुलिस छात्रों को रोक नहीं पाई। हजरतगंज चौराहे पर छात्रों ने पेट्रोल डालकर पुतले में आग लगा दी।
- प्रदर्शन कर रहे जतिन शुक्ला ने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो जो हाल पुतले का हुआ है वही मौलाना का होगा।

प्रदर्शन कर रहे जतिन शुक्ला ने कहा, हम लोगों ने बिहार के मौलाना सलीम का पुतला जलाया है। होली और रमजान के पवित्र महीने में उसने अपनी मानसिकता दिखाई है। योगी इतने बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। संत हैं। उनकी मां के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज हम लोगों ने उसका पुतला फूंका है। अभी मौलाना पर मुकदमा लिखवा कर उसे जेल भेजवाने का काम करेंगे। जैसे पुतला जल रहा है।

ममता बनर्जी का धरना दूसरे दिन भी जारी

बोलीं- एसआईआर में वोटर्स के नाम बंगाल को बांटने के इरादे से हटाए

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी है। ममता ने शुक्रवार की रात धरना स्थल पर ही बिताई। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता बनर्जी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पोस्ट SIR में वोटर लिस्ट से वोटर्स के नाम हटाना हटाना बंगाल को बांटने के इरादे से किया गया है। बंगाल को बांटकर वोट छीनने की

- धरना मंच पर ममता। समर्थकों को टीएमसी नेताओं ने भी संबोधित किया।

योजना बना रही है। वे (भाजपा नेता) अन्य राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को परेशान कर रहे हैं और बंगालियों को उनके वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश रच रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

रूस से तेल खरीद की छूट उदारता नहीं बल्कि मजबूरी

अमेरिकी प्रशासन ने भारत को रूस से एक माह तक तेल खरीदने की जो कथित छूट दी, उससे कुछ ऐसा ध्वनित हो रहा है कि यह तय करने का अधिकार उसने अपने हाथ ले लिया है कि कौन देश किससे, कब तेल खरीद सकता है और कौन नहीं? उसके पास ऐसा कोई अधिकार न था, न है और न हो सकता है, लेकिन यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के बहाने वह लंबे समय से भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाए हुए है। उसने भारत पर रूस से तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी थोपा, पर भारत ने इसकी परवाह नहीं की। आखिरकार उसने अपने स्तर से ही भारत से अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमति बन जाने की घोषणा करते हुए पारस्परिक टैरिफ 25 से 18 प्रतिशत किया और रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को खत्म किया। वास्तव में वह ऐसा करने के लिए बाध्य हुआ, क्योंकि भारत ने यूरोपीय संघ से सभी व्यापार समझौते की जननी कहे जाने वाला व्यापार समझौता कर उसे यह संदेश दिया कि उसके पास और भी विकल्प हैं। सच यह भी है कि भारत ने रूस से तेल खरीद पूरी तौर पर कभी भी बंद नहीं की। जनवरी और फरवरी माह में भी उसने रूस से तेल खरीदा। इसके अलावा भारत बार-बार यह भी दोहराता रहा है कि वह अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए रूस समेत कहीं से भी तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है। आखिर जब भारत रूस से तेल खरीद ही रहा है तो फिर अमेरिका के यह कहने का क्या मतलब कि वह भारत को उससे 30 दिन के लिए तेल खरीदने की छूट दे रहा है? अमेरिका ने तथाकथित उदारता दिखाते हुए भारत को रूस से तेल खरीदने की जो मंजूरी दी, वह उसकी मजबूरी का ही परिचायक है। वह जानता है कि ईरान से युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित हो रही है और उनके दाम भी बढ़ रहे हैं। इससे समूची विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष जो संकट पैदा होगा, उसके दुष्प्रभाव से वह भी नहीं बच पाएगा। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि तेल एवं गैस की आपूर्ति का जो वैश्विक संकट खड़ा हो गया है, उसके लिए मूलतः अमेरिका ही जिम्मेदार है। यदि वह इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला नहीं करता तो होर्मुज जल मार्ग से तेल की आपूर्ति बाधित नहीं होती। यह अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह उक्त जल मार्ग से पश्चिम एशियाई देशों से आने वाले तेल की आपूर्ति की बाधाओं को दूर करे, लेकिन फिलहाल वह इसमें समर्थ नहीं दिख रहा है, क्योंकि ईरान हार मारने को तैयार नहीं। अच्छा हो कि अमेरिका इस मुगालते से बाहर आए कि वह हर मामले में न तो अपनी ही चला सकता है और न ही अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा व्यापार पर एकाधिकार कर सकता है। उसे यह भी आभास हो जाए तो अच्छा कि ईरान वेनेजुएला नहीं है।

नेपाल को किस तरफ ले जायेगा नया नेतृत्व

नेपाल में कुल लगभग 1 करोड़ 89 लाख मतदाता हैं और 275 सीटों के लिए मतदान हुआ है। प्रत्यक्ष मतदान की 165 सीटों में आरएसपी को दो-तिहाई बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की 110 सीटों की गिनती अभी जारी है।

राजघरानों, कम्युनिस्टों और पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के आस-पास घूमने वाली सरकार अब एक युवा नेता Balen Shah के हाथों में जा रही है। काठमांडू के मेयर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानी RSP आम चुनाव परिणाम में भारी बढ़त के साथ नेपाल की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत कर रही है। अब तक प्राप्त समाचारों के अनुसार 275 सदस्यीय संसद के लिए हुए चुनाव में प्रत्यक्ष मतदान वाली 165 सीटों की गिनती में आरएसपी ने जबरदस्त बढ़त हासिल कर ली है। शुक्रवार देर रात तक पार्टी लगभग 115 सीटों पर आगे चल रही थी। इस स्थिति को देखते हुए माना जा रहा है कि बालेन शाह का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय हो गया है। यदि यही रुझान अंतिम परिणामों में बदलते हैं तो यह नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव होगा। बताया जाता है कि Gen-Z प्रदर्शन, करप्शन के खिलाफ गुस्सा और सोशल मीडिया की ताकत ने नेपाल में एंटी-इनकम्बेंसी को जन्म दिया। लेकिन नए नेता Balen Shah ने देश की सत्ता में शीर्ष तक पहुंचने की यह यात्रा इतनी तेजी से कैसे तय की? पुराने नेता क्यों चूक गए? और सबसे बड़ा सवाल इस नई, युवा और मुखर लीडरशिप के आने से भारत-नेपाल संबंधों पर क्या असर पड़ेगा? इन तमाम ज्वलंत मुद्दों और नेपाल की सियासत के बदलते समीकरणों को समझने के लिए मीडिया ने साउथ एशिया मामलों के एक्सपर्ट से बात की, जिसमें उन्होंने बेहद तार्किक ढंग से समझाया है कि नेपाल की सत्ता में कोई भी आए, लेकिन अर्थव्यवस्था और रेमिटेंस जैसी जरूरतों के चलते वह चाहकर भी भारत के रोल को नजरअंदाज नहीं कर सकता। समाचारों के अनुसार बालेन शाह का उभरना और आज की जो कंटेंपरेरी वर्ल्ड पॉलिटिक्स है, जिसमें हम कहते हैं कि टेक्नोलॉजी का रेवोल्यूशन बहुत तगड़ा रोल प्ले करता है; तो बालेन शाह की पूरी कैरेक्टरिस्टिक्स वैसी ही हैं। अभी वो सिर्फ 35 साल के हैं, लेकिन पब्लिक लाइफ में उनका आना 2013 में हुआ था, जब उन्होंने अपना रैप किया था। वैसे तो बहुत लोग रैप करते हैं, लेकिन रैप की जो अपनी हिस्ट्री है कि रैप इसी ट्रेडिशन में आया ही था कि मेनस्ट्रीम के अगेंस्ट जाकर करप्शन

और बाकी सारी चीजों के खिलाफ आवाज उठाई जाए। नेपाल में इस चुनावी उलटफेर के पीछे तीन प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से जनता की नाराजगी, युवा मतदाताओं का पुराने नेताओं से मोहभंग और बालेन शाह द्वारा नई राजनीति और बदलाव का वादा। नेपाल में कुल लगभग 1 करोड़ 89 लाख मतदाता हैं और 275 सीटों के लिए मतदान हुआ है। प्रत्यक्ष मतदान की 165 सीटों में आरएसपी को दो-तिहाई बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की 110 सीटों की गिनती अभी जारी है। रुझानों के आधार पर माना जा रहा है कि आरएसपी को वहां भी 50 से अधिक सीटें मिल सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो नेपाल के इतिहास में करीब 36 साल बाद किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत ही नहीं बल्कि प्रचंड बहुमत भी मिलेगा। इससे देश में राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है और नई सरकार से लोगों की अपेक्षाएं भी काफी ज्यादा हो गई हैं। गौरतलब है कि नेपाली राजनीति में राजघराने का एक इम्पैक्ट रहता है। लेकिन अगर हम आइडियोलॉजी वाइज देखें, तो जो सेंट्रिस्ट पार्टियां हैं, जैसे नेपाली कांग्रेस है, उनका एक धड़ा मतलब एक तरह से ऐसी पार्टी है जो सेंट्रिस्ट पार्टी कहलाती है, जिनकी लिबरल पॉलिसीज के बारे में हम समझते हैं। दूसरी तरफ, माओवादी और कम्युनिस्ट पार्टियां मिलकर हैं, जिन्हें ओली या प्रचंड लीड करते हैं। तो नेपाल में एक तरफ हमारे पास ऐसी पार्टियां थीं जिन्हें आप जनरलाइज करने के लिए वामपंथी कह लें, और दूसरी तरफ सेंट्रिस्ट-राइट पार्टियां थीं। उन्होंने कहा, 'अब बालेन शाह की जो पार्टी है, RSP, वह भी एक सेंट्रिस्ट पार्टी है। तो इसका मतलब ये है कि वे नेशनलिस्ट होंगे, लेकिन ग्लोबलाइजेशन के साथ जाएंगे और लिबरल पॉलिसीज के साथ जाएंगे। इसका मतलब ये भी है कि वे फॉरेन पॉलिसी में कोऑपरेशन और कम्पटीशन को जरूर प्रेफर करेंगे। तो जैसे नेपाली कांग्रेस के समय पर अमूमन चीजें रहती हैं, मैं ऐसा समझता हूं कि चुनाव जीतकर अगर RSP पार्टी सत्ता में आती है, या अगर गठबंधन भी होता है, तो भी लीडरशिप उनकी ही होनी चाहिए। मेरे ख्याल से बाकी सारी चीजों में उनकी लिबरल पॉलिसीज ही होंगी।' एक्सपर्ट कहते है कि दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी पहली या दूसरी बार सरकार में आई थी, तो जिस तरह का रिटोरिक चलता था और जैसा सोशल मीडिया-पब्लिक सपोर्ट था यानी एक नए तरह की राजनीति करने की जो कोशिश थी, वह बालेन शाह के साथ भी जरूर जाएगी। एक्सपर्ट के अनुसार, 'नेपाल की राजनीति में अगर आप पिछले 11-15 साल में देखें तो करीब 13-14 से ज्यादा सरकारें आ चुकी हैं। और जब GenZ प्रोटेस्ट हुआ, तो उस प्रोटेस्ट की वजह से जो सरकार गिरी, वह एक तरह से चुनी हुई सरकार थी; उसके पास भारी मेजॉरिटी थी। वह एक गठबंधन सरकार थी। वहां वामपंथी सरकार को नेपाली कांग्रेस का सपोर्ट भी था। फिर करप्शन का पूरा मुद्दा बनाया गया और सोशल मीडिया पर बैन जैसी चीजें भी हुईं।' किसी भी देश में, और हम नेपाल की बात तो करेंगे ही, वहां भी यूथ का जो रोल है, खासकर आज का इंटरकनेक्टेड यूथ, जो सिर्फ अपने देश तक सीमित नहीं रहता बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पूरी दुनिया से कनेक्ट होता है। दुनिया में क्या चल रहा है और आगे क्या आकांक्षाएं हैं, उनके साथ यूथ बहुत कनेक्ट होता है; उसकी अपनी भी एस्पिरेशन्स होती हैं।' एक्सपर्ट बोले कि मुझे ऐसा लगता है कि बालेन शाह की उम्र, उनका काम और उनका बैकग्राउंड यूथ को बहुत अपील करता है, और जेन-जी प्रोटेस्ट के बाद से तो उनका रोल बहुत ही इंपॉर्टेंट हो गया है। अगर बालेन शाह आगे बढ़कर पीएम बनते हैं, जैसा कि लग रहा है कि ऐसा हो सकता है, तो दुनिया में इसके और भी एग्जांपल हैं। जैसे जेलेंस्की हैं और एक-दो लोग और भी हैं, जिन्होंने अच्छे और इम्पैक्टफुल काम किए भी हैं। एक्सपर्ट के कहने के अनुसार 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' एक सेंट्रिस्ट पार्टी है। इसलिए उन्हें भारत सरकार के साथ अपने संबंध अच्छे रखने ही होंगे। हालांकि, वे अपनी डिमांड्स को लेकर बहुत स्पष्ट और तेज होंगे, जिस पर हमें ध्यान देना पड़ेगा। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि भारत-नेपाल की जो जियोपॉलिटिकल सिचुएशन है, उसमें नेपाल में किसी की भी सरकार हो, वह भारत को इग्नोर नहीं कर सकती। उनके अनुसार 'इसमें मैं दो चीजें हाईलाइट करने लायक है। एक तो नेपाल में बहुत तगड़ा रेमिटेंस आता है। और उस रेमिटेंस का मुख्य सोर्स वेस्ट एशिया में काम करने वाले नेपाली लोग हैं, वहां से एक तगड़ा रेमिटेंस आता है। तो वेस्ट एशिया में जो कुछ भी हो रहा है, वहां नेपाल को भारत की विदेश नीति के साथ बहुत कोऑर्डिनेट करके चलना पड़ेगा।'

अशोक भाटिया

इतिहास के दर्पण में झिलमिलाता अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महिला हितों, राजनीतिक एवं सामाजिक उत्थान, लैंगिक भेदभाव से मुक्ति तथा काम के घंटे, समान अवसर एवं वेतन की पैरवी करता अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक ऐसी समाज रचना की नींव रखता है जहां महिला मानवोचित गरिमामय वातावरण में न केवल काम कर सकें अपितु अपने सपनों की पतंग को अनंत आकाश में उड़ान भी दे सकें। महिला सशक्तिकरण की राह इतनी आसान नहीं है जितनी ऊपर से दिखाई देती है। पूरी दुनिया का संदर्भ लें तो पाएंगे कि सर्वाधिक शारीरिक हिंसा का शिकार महिलाएं हैं। बलात्कार और यौन हिंसा की आग में झुलसती महिलाओं की सूखी आंखों में डर समाया हुआ है। उनके लिए शिक्षा के रास्ते कांटों भरे हैं, यौन दासी बनाकर युद्ध के लिए बच्चे पैदा करने की जमीन बन चुकी औरतें मौत से भी बदतर जीवन जीने को अभिशप्त हैं। उद्योग-धंधों, कारखानों, ईंट-भट्ठों, सड़क-भवन निर्माण में पुरुषों के बराबर घंटों में काम करने के बावजूद मजदूरी में भारी असमानता है। राजनीति की चमकीली फिसलन भरी राह में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण का झुनझुना थामे वह मंजिल से दूर खड़ी अभी जोर-जोर नारे उछाल रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला के बुनियादों सवालों पर विमर्श करते हुए राह की चुनौतियों के कंकड़-पत्थर बीनते हुए उपलब्धियों के शिखर पर महिलाओं का गौरव गान हो, यही पावन उद्देश्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शताधिक वर्षों की यात्रा इतिहास के दर्पण में झिलमिला रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास एवं परम्परा पर दृष्टिपात करें तो 28 फरवरी, 1909 में न्यूयार्क, अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी द्वारा महिला मुद्दों पर पहला आयोजन होता दिखाई देता है। 1900 का पहला दशक दुनिया में बड़े परिवर्तन और उथल-पुथल का दशक था। शिक्षा, सूचना, उद्योग, स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे थे।

प्रमोद दीक्षित मलय

हमारे अपने समाज ...

बाबूलाल नागा

युद्ध की विभीषिका में दम तोड़ती बेटियां : महिला दिवस का उत्सव या आत्ममंथन?

जब स्कूलों पर बम गिरते हैं और मासूम बच्चियां मलबे में दब जाती हैं, तब केवल मंचों पर भाषणों का क्या मूल्य है? हर साल 8 मार्च को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मंच सजते हैं, भाषण होते हैं और महिलाओं के सम्मान के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन क्या यह उत्सव सच में सार्थक है, जब दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और हिंसा की आग में सबसे अधिक महिलाएं और मासूम बच्चियां ही झुलस रही हैं? क्या हम सिर्फ नारों और समारोहों में ही महिलाओं का सम्मान दिखा रहे हैं जबकि असली दुनिया में उनकी सुरक्षा और जीवन खतरे में हैं? संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में युद्धग्रस्त देशों में मारे गए नागरिकों में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं थीं जबकि 30 प्रतिशत बच्चे थे। कुल मिलाकर 33,443 नागरिकों की मौत दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 72 प्रतिशत अधिक है। यह केवल संख्या नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के उजड़ने और अनगिनत सपनों के टूटने की कहानी है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2013 में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया में लगभग 600 मिलियन महिलाएं और लड़कियां युद्ध जैसी हालातों के बीच में रहती हैं। अगर इस आंकड़े की तुलना वर्ष 2017 से की जाए तो यह 50 प्रतिशत अधिक है। अनुमानों के मुताबिक पिछले वर्ष सैन्य संघर्ष में बढ़ोतरी दर्ज की गई और इसके

चलते महिलाओं को लिंग आधारित हिंसा का सामना करना पड़ा है। सबसे बड़ी त्रासदी तब होती है जब युद्ध और हिंसा सीधे शिक्षा और भविष्य के साधनों को निशाना बनाते हैं। हाल ही में ईरान के मिनाब शहर में एक स्कूल पर हुए हमले में 150 से 170 छात्राओं की मौत की खबर आई। स्कूल जाने वाली इन मासूम बच्चियों के हाथों में किताबें थीं, हथियार नहीं। फिर भी वे युद्ध की राजनीति का शिकार बन गईं। उनके परिवारों के सपने और भविष्य की उम्मीदें उसी मलबे में दब गईं। युद्ध केवल जान नहीं लेता बल्कि महिलाओं की गरिमा और अस्तित्व पर भी गहरा आघात करता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार युद्धग्रस्त क्षेत्रों में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसका मतलब यह है कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा केवल युद्ध की छाया में बढ़ रही है, बल्कि उनके जीवन की हर पहलू में असुरक्षा बढ़ रही है। हाल ही में इजराइल-हमास संघर्ष में भी हजारों नागरिक मारे गए, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की थी। लगभग 16 हजार से अधिक महिलाएं और बच्चे अपनी जान गंवा चुके हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। अफ्रीका, सीरिया, यूक्रेन और अफगानिस्तान जैसे देशों में भी यही स्थिति बनी हुई है। महिलाएं शरणार्थी बनकर दर-दर भटक रही हैं, कई को भोजन और सुरक्षित आश्रय तक नहीं मिल पा रहा है। सीरिया में लगभग 4 लाख गर्भवती महिलाएं आवश्यक मातृत्व सेवाओं तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही हैं। हमारे अपने समाज में भी तस्वीर संतोषजनक नहीं है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की खबरें नियमित रूप से सुर्खियों में रहती हैं। बलात्कार, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना और उत्पीड़न जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान का मुद्दा अभी भी गंभीर चुनौती बना हुआ है। ऐसे में महिला दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि यह समाज को आत्ममंथन करने का अवसर बन जाता है। महिला दिवस का असली उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समानता के लिए संघर्ष को मजबूत करना था। यह दिन उन महिलाओं को याद करने का दिन था जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई जिन्होंने समाज में बराबरी की राह बनाई लेकिन आज यह भी सच है कि कई बार यह दिवस केवल मंचों, भाषणों और प्रतीकात्मक कार्यक्रमों तक सीमित रह जाता है। महिला दिवस मनाने का सही तरीका यही है कि हम उन आवाजों को सुनें जो अभी भी दबा दी जाती हैं। हम उन संघर्षों को पहचानें जो रोजमर्रा की जिंदगी में महिलाएं झेलती हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि केवल नारों और समारोहों से बदलाव नहीं आएगा; इसके लिए समाज की सोच और व्यवस्था दोनों में परिवर्तन लाना होगा। आज जरूरत इस बात की है कि हम महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दें। बेटियों को भय और असुरक्षा से मुक्त वातावरण मिले, उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिले—यही महिला दिवस की सच्ची भावना है। युद्ध और हिंसा की विभीषिका में दम तोड़ती बेटियां हमें यही याद दिलाती हैं कि महिला दिवस का वास्तविक मूल्य केवल उत्सव में नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई में है।

उस समय ईरान...

राजेश श्रीवास्तव

दोस्ती से दुश्मनी तक : जिस ईरान ने ही दी थी इजरायल को मान्यता, वहीं कैसे बन बैठा दुश्मन

इजरायल और ईरान के बीच आज की दुश्मनी की जड़ें इतिहास की गहराइयों में कहीं दफन हैं। साल 1948 में इजरायल की स्थापना के समय, तुर्की के बाद ईरान दूसरा मुस्लिम बहुल देश था जिसने इजरायल को देश के रूप में मान्यता दी थी। उस दौर में दोनों देशों के रिश्ते अच्छे थे लेकिन समय के साथ सब कुछ उलटा होता चला गया। अमेरिका और इजरायल साथ मिलकर ईरान पर लगातार हमले कर रहे हैं। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत भी हो चुकी है। जवाबी कार्रवाई के दौरान ईरान ने इजरायल, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कुबैत समेत कई देशों पर मिसाइलें दाग दी। जिसके चलते तनाव और अधिक बढ़ गया है। इस युद्ध से दुनियाभर के लोग दहशत में आ गए हैं। अब सवाल यह है कि आखिर मध्य-पूर्व के दो देशों के बीच की दोस्ती दुश्मनी में कैसे बदल गई? आइए समझते हैं पीछे की कहानी। दरअसल 1979 तक इजरायल और ईरान के संबंध दोस्ताना थे। ईरान तब पहलवी वंश के शाहों के अधीन एक राजतंत्र था और अमेरिका का प्रमुख सहयोगी भी था। इजरायल के संस्थापक डेविड बेन-गुरियन ने अरब पड़ोसियों की नाराजगी के बावजूद ईरान से दोस्ती की नींव रखी थी। हालांकि, ईरान ने 1948 में फिलिस्तीन विभाजन योजना का विरोध किया था। फिर भी, उसने इजरायल को मान्यता दी लेकिन 1979 में अयातुल्लाह खुमैनी की इस्लामिक क्रांति ने सब कुछ बदल कर रख दिया। क्रांतिकारियों ने शाह की सत्ता उखाड़ फेंकी और इस्लामी गणराज्य स्थापित किया। खुमैनी ने खुद को 'पीड़ितों का रक्षक' बताया, साथ ही अमेरिका और इजरायल के 'साम्राज्यवाद' को खारिज कर दिया। नई सरकार ने इजरायल से सभी संबंध तोड़ दिए, इजरायली पासपोर्ट अमान्य कर दिए और तेहरान के दूतावास को फिलिस्तीन लिबरेशन

ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) को सौंप दिया जो फिलिस्तीन राष्ट्र की मांग के लिए संघर्ष कर रहा था। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप सेंटर में ईरान प्रोग्राम के निदेशक अली वेज के मुताबिक इजरायल विरोध नई ईरानी सरकार की मूल नीतियों का हिस्सा था। उस समय ईरान के कई नेता फिलिस्तीनियों के साथ लेबनान में गुरिल्ला युद्ध में शामिल रहे थे जिससे उनकी सहानुभूति गहरी थी। नया ईरान खुद को इस्लामी ताकत के रूप में पेश करना चाहता था। इसी वजह से उसने फिलिस्तीनी मुद्दे को उठाया जिसे अधिकतर अरब मुस्लिम देशों ने उस वक्त पीछे छोड़ दिया था। खुमैनी ने फिलिस्तीनी मुद्दे पर दावा जताया और तेहरान में बड़े प्रदर्शन आम हो गए। इजरायल में ईरान विरोध 199० के दशक तक मजबूत नहीं हुआ क्योंकि तब सद्दाम हुसैन का इराक बड़ा खतरा था। इजरायल ने 'ईरान-कॉन्ट्रा' डील में भी भूमिका निभाई, जहां अमेरिका ने ईरान को इराक युद्ध में हथियार दिए थे लेकिन बाद में इजरायल ने ईरान को अस्तित्व के खतरे के रूप में देखा। ईरान ने सऊदी अरब जैसे विरोधियों से बचने के लिए 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' नेटवर्क बनाया, जिसमें हिजबुल्लाह जैसे संगठन शामिल हैं, जो लेबनान से यमन तक फैले हैं। इजरायल ने इन पर हमले किए, जिन्हें 'शैडो वॉर' कहा जाता है जहां दोनों आधिकारिक पुष्टि किए बिना कार्रवाई करते हैं। इजरायल का मुख्य फोकस ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश कुमार पासी

ईरान के लिए कांग्रेस इतनी दुखी क्यों है

जब से अमेरिका और इसराइल ने ईरान पर हमला किया है, तब से पूरी कांग्रेस गहरे दुःख में डूबी हुई है। कांग्रेस की प्रतिक्रिया से ऐसा लग रहा है कि जैसे देश पर ही हमला हो गया हो। मेरा तो मानना है कि अगर देश पर हमला हो जाये, तब भी कांग्रेस इतनी दुःखी नहीं हो सकती, जितनी ईरान पर हमले से दुःखी नजर आ रही है । कांग्रेस की प्रतिक्रिया से यह संदेश निकल रहा है कि भारत को ईरान के पक्ष में इजराइल और अमेरिका पर हमला कर देना चाहिए। सवाल यह है कि क्या ईरान भारत का इतना बड़ा दोस्त है कि उसके लिए अपनी बर्बादी को आमंत्रित करके देश को युद्ध की आग में झोंक दिया जाए। ईरान पर हमले के विरोध में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने एक लेख लिखा है, जो देश के कुछ प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस लेख के माध्यम से केंद्र सरकार पर निशाना साधा गया है कि वो ईरान के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। सोनिया गांधी कई बार लेख लिख चुकी है और ज्यादातर इस्लामिक मुद्दों पर ही लिखे गए हैं। उन्होंने मोदी सरकार को गाजा की समस्या के लिए भी कई बार घेरा है। अजीब बात है कि उन्हें देश में कोई समस्या नजर नहीं आती, जिसके लिए वो लेख लिखें। जो कांग्रेस दिन-रात मोदी सरकार को कोसती रहती है, उसे देश में कोई समस्या नहीं दिखाई देती। विपक्ष का काम है कि वो सरकार का विरोध करे, लेकिन विरोध का मुद्दा तो कम से कम देशहित और लोकहित होना चाहिए। भारत ने ईरानी नेता खामनेई की मौत पर शोक व्यक्त कर दिया है, लेकिन इससे कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ता है। वास्तव में कांग्रेस चाहती है कि भारत सरकार अमेरिका और इजराइल के हमले की खुलकर निंदा करे। भारत हमेशा युद्ध का विरोध करता रहा है और इस युद्ध को भी रोकने की मांग कर रहा है। कांग्रेस की मांग यह है कि प्रधानमंत्री मोदी खुद सामने आकर इजराइल और अमेरिका को ईरान पर हमले के लिए जिम्मेदार मानते हुए उनकी आलोचना करें। मोदी ऐसा करने वाले नहीं हैं, क्योंकि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं है। मोदी ने ईरान की भी आलोचना नहीं की है, क्योंकि भारत अभी तक इस युद्ध में तटस्थ बना हुआ है। अगर मोदी अमेरिका और इजराइल की आलोचना करते हैं तो उससे देश को कोई फायदा नहीं होने वाला है और ईरान को भी कुछ मिलने वाला नहीं है। ईरान के सबसे बड़े

सहयोगी चीन और रूस ने इस हमले के लिए इजराइल और अमेरिका की निंदा की है, लेकिन ईरान को कोई फायदा नहीं हुआ। ईरान भी बेमतलब अरब देशों पर हमले कर रहा है, लेकिन भारत ने इसका भी विरोध नहीं किया है। कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप है, उसे यह भी बोलना चाहिए था कि ईरान अरब देशों पर गलत हमले कर रहा है । वास्तव में कांग्रेस को न तो ईरान की चिंता है और न ही अरब देशों से कोई मतलब है, उसे तो सिर्फ यह दिखाना है कि वो मुस्लिमों की सबसे बड़ी हितेषी है। कांग्रेस अपनी मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के लिए देश को युद्ध की आग में झोंकने को तैयार है। सवाल यह है कि जब इसी अमेरिका ने इराक को बर्बाद किया था तो कांग्रेस ने क्या किया था, तब तो देश में उसकी सरकार चल रही थी। सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई तो क्यों नहीं कांग्रेस ने उसके समर्थन में सेना उतार दी। लीबिया के नेता कर्नल गद्दाफी को मार दिया गया, तब कांग्रेस की सरकार ने क्या किया था। देखा जाए तो आज से नहीं, बल्कि कई दशकों से अमेरिका पूरी दुनिया में गुंडागर्दी कर रहा है । उसने कई देशों को बर्बाद कर दिया है। क्या भारत उसको रोकने में सक्षम है, इस सवाल का जवाब कांग्रेस को देना चाहिए। सोवियत संघ के विघटन के बाद दुनिया एकध्रुवीय बन चुकी है और अमेरिका ही एकमात्र विश्वशक्ति है। ईरान पर उसका हमला गलत हो सकता है, लेकिन इजराइल का हमला गलत नहीं है। दोनों ही देश एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं। ईरान पिछले कई सालों से इजराइल को बर्बाद करने के लिए कई आतंकवादी संगठनों को प्रश्रय दे रहा है। उसने इजराइल को बर्बाद करने के लिए ही हमास, हिज़्बुल्लाह और हूती जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठन खड़े किए हैं। क्या कांग्रेस ने कभी मोदी सरकार पर दबाव बनाया कि वो इसके लिए ईरान की निंदा करे। ईरान के आतंकवादी संगठन सिर्फ इजराइल के लिए खतरा नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं, लेकिन कांग्रेस को इससे कोई मतलब नहीं है। अमेरिका ने श्रीलंका के पास एक ईरानी वॉरशिप को उड़ा दिया है, जो कि भारत में हुए एक युद्धाभ्यास से लौट रहा था। कांग्रेस ईरानी वॉरशिप पर हमले के लिए भारत की जिम्मेदारी तय करने की कोशिश कर रही है। हमें उस शिप की जिम्मेदारी लेने की बात कही जा रही है, जो एक हफ्ते पहले ही हमारी समुद्री सीमा से बाहर निकल चुका था, वो श्रीलंका के नजदीक था और उसने उनसे मदद मांगी थी। नौसेना अभ्यास में 50 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया था, उन्हें उनके घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भारतीय नौसेना की नहीं थी। अंतरराष्ट्रीय सीमा में सब अपनी जिम्मेदारी पर चलते हैं, दूसरे देशों की तरह ईरान का वॉरशिप भी अपने देश वापिस गया था। वो श्रीलंका में क्या कर रहा था, इसका जवाब तो ईरान के पास होगा। कांग्रेस क्या चाहती है कि इस हमले का बदला लेने के लिए भारत अपनी नौसेना अमेरिकन नेवी के खिलाफ उतार दे। कांग्रेस चाहती क्या है, उसे स्पष्ट रूप से देश को बताना चाहिए। देश तो पता चलना चाहिए कि देश की विदेश नीति में क्या गलती है। जब दुनिया में कई जगहों पर युद्ध चल रहे हैं तो भारत शांति से आगे बढ़ रहा है, क्या यही विदेश नीति की गलती है। कांग्रेस मोदी सरकार को ऐसे उकसा रही है कि वो ईरान के पक्ष में अमेरिका और इजराइल पर हमला कर दे। भारत की विदेश नीति यही है कि भारत किसी युद्ध में न उलझे और चुपचाप विकास की राह पर चलता रहे, ये नीति चीन की भी है । हम पाकिस्तान के साथ युद्ध में नहीं फंसे, जैसे ही हमने अपने उद्देश्य पूरे किए, युद्ध से बाहर निकल आये। पाकिस्तान हार चुका था, हम उसे और बर्बाद कर सकते थे, लेकिन हमारा उद्देश्य यह नहीं था। हमने उसे सबक सिखाया और युद्ध खत्म कर दिया। इसके लिए भी मोदी सरकार पर निशाना साधा गया कि अमेरिका के दबाव में युद्ध विराम किया गया है। सच तो यह है कि अमेरिका और चीन चाहते हैं कि भारत रूस की तरह एक लंबे युद्ध में फंस जाए। भारत की विदेश नीति की यह बड़ी सफलता है कि वो इस समय युद्ध क्षेत्र में किसी के पक्ष में नहीं खड़ा है। जहां तक ईरानी वॉरशिप पर हमले की बात है, तो युद्ध के समय नियम कौन मानता है, अगर युद्ध क्षेत्र से बाहर अमेरिका ने एक युद्धपोत को निशाना बनाया है तो ईरान दूतावासों को निशाना बना रहा है।

स्पिन कम, पेस और बाउंस ज्यादा, फाइनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ अंपायरिंग करेंगे

अहमदाबाद की पिच सेमीफाइनल की तरह बैटिंग फ्रेंडली होगी

मुंबई, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल बैटिंग फ्रेंडली पिच पर होगा। ESPN के मुताबिक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फ्रेश पिच का ही इस्तेमाल होगा, जहां टूर्नामेंट के शुरुआत में एक मैच खेला गया था। काली और लाल मिट्टी को मिक्स कर पिच बनाई गई है। यहां गेंद बहुत कम स्पिन होगी, लेकिन पेस और बाउंस जरूर मिलेगा। हालांकि, इससे बैटर्स को ही फायदा होना है। खिताबी मुकाबला 8 मार्च को शाम 7 बजे से खेला जाएगा। ICC ने बताया कि इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ अंपायरिंग करेंगे। वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता में हुआ। पिच बैटिंग फ्रेंडली जरूर थी, लेकिन पहली पारी में बॉलर्स को भी मदद मिली। साउथ अफ्रीका 169 रन ही बना सका, न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया।

काली और लाल मिट्टी को मिक्स किया

अहमदाबाद में काली और लाल मिट्टी को मिक्स कर फाइनल के लिए पिच बनाई गई। वानखेड़े स्टेडियम में भी सेमीफाइनल के दौरान इसी तरह की पिच थी। अब फाइनल में भी स्पिनर्स के लिए मदद कम रहेगी, पेसर्स को अच्छा बाउंस मिलेगा, लेकिन इससे बैटिंग बहुत ज्यादा आसान हो जाएगी। पहली पारी में 200 से ज्यादा रन बनाए तभी जीत के चांस हैं।

फाइनल की पिच पर एक ही मैच हुआ

फाइनल की पिच लगभग फ्रेश ही रहेगी, क्योंकि यहां टूर्नामेंट का इकलौता मैच करीब एक महीने पहले 9 फरवरी को हुआ था। यहां पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 4 ही विकेट खोकर 213 रन बना दिए थे। जवाब में कनाडा 156 रन ही बना सका। अहमदाबाद में कनाडा-अफ्रीका मैच के बाद भी 5 मुकाबले खेले गए, लेकिन किसी में भी फाइनल वाली पिच का इस्तेमाल नहीं हुआ। हालांकि, उन पिचों पर कभी 200 रन भी बने। 184 पहली पारी में औसत स्कोर रहा। 2 बार पहले बैटिंग और 2 ही पहले बॉलिंग करने वाली टीमों को जीत मिली। जबकि एक नतीजा सुपर ओवर में आया।

टीम इंडिया की प्रैक्टिस शनिवार को

टीम इंडिया आज ही अहमदाबाद में अपनी प्रैक्टिस करेगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम बुधवार को सेमीफाइनल जीतने के बाद गुरुवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंची। टीम ने उसी दिन प्रैक्टिस भी की। भारत और न्यूजीलैंड लगातार दूसरे ICC व्हाइट बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में आमने-सामने हैं। पिछले साल ही 9 मार्च को भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था। ICC ने फाइनल मुकाबले के लिए ऑफिशियल्स भी बता दिए हैं। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ ऑन फील्ड अंपायर होंगे।

भारत 2 मैच खेल चुका

टूर्नामेंट में अहमदाबाद के मैदान पर भारत ने 2 मैच खेले हैं। ग्रुप स्टेज में नीदरलैंड के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 193 रन बनाए थे। हालांकि, डच टीम भी फाइट दिखाते हुए 176 तक पहुंच गई थी।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया विमेंस टेस्ट- भारतीय पारी 198 रन पर सिमटी

जेमिमा की फिफ्टी, एनाबेल सदरलैंड ने 4 विकेट लिए

- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ के वाका मैदान पर एकमात्र टेस्ट मैच खेला जा रहा है।
- जेमिमा और ऋचा घोष के बीच 43 रन की साझेदारी हुई।

मुंबई, एजेंसी

पर्थ में खेले जा रहे एकमात्र महिला डे-नाइट टेस्ट के पहले दिन जेमिमा रोड्रिग्स के अर्धशतक के बावजूद भारतीय टीम 198 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड और डेब्यूटेंट लूसी हैमिल्टन की स्विंग गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाज टिक नहीं सके। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 96 रन बना लिए हैं। एलिस पेरी 43 रन और एनाबेल सदरलैंड 20 रन बनाकर खेल रही हैं। वह पहली पारी में भारत के स्कोर 102 रन पीछे है। अपना डेब्यू मैच खेल रही लुसी हैमिल्टन ने स्मृति मंधाना को बोल्ड किया।

अपना डेब्यू मैच खेल रही लुसी हैमिल्टन ने स्मृति मंधाना को बोल्ड किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने 18 रन के कुल स्कोर पर स्मृति मंधाना का विकेट गंवा दिया। स्मृति को लुसी हैमिल्टन ने क्लीन बोल्ड किया। शेफाली वर्मा और प्रतिका रावल ने दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़े। इसके बाद भारत ने दो विकेट 7 रनों के अंदर गंवा दिए। एनाबेल सदरलैंड ने शेफाली वर्मा और प्रतिका रावल को कैच आउट कराकर भारत का स्कोर 61 रन पर 3 विकेट कर दिया।

फास्ट न्यूज

सलमान के पिता सलीम खान की सेहत में सुधार

नई दिल्ली। दिग्गज स्क्रीनराइटर और सलमान खान के पिता सलीम खान की सेहत में सुधार हो रहा है और अब वे कुर्सी पर बैठकर बातचीत करने लगे हैं। यह जानकारी लेखक जावेद अख्तर ने हाल ही में दिल्ली में एक बुक लॉन्च इवेंट के दौरान दी। सलीम खान 17 फरवरी से मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती हैं। सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने के बाद से शाहरुख खान, आमिर खान समेत कई सेलेब्स उनसे मिलने पहुंचे।

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में तीसरी प्रॉपर्टी खरीदी

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने राम मंदिर की जन्मभूमि अयोध्या में एक और बड़ी प्रॉपर्टी खरीदी है। उन्होंने 'हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' (HoABL) से 2.67 एकड़ जमीन खरीदी है। इस सौदे की कीमत 35 करोड़ रुपए है। कंपनी ने 6 मार्च को इस निवेश की आधिकारिक जानकारी दी है। अयोध्या में अमिताभ बच्चन का यह तीसरा बड़ा निवेश है। यह जमीन 75 एकड़ की 'द सरयू' परियोजना के पास स्थित है। अमिताभ की कंपनी 'AB Corp Ltd' के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश यादव ने इस पूरी डील को फाइनल किया है। अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के साथ अमिताभ बच्चन का यह कुल चौथा रियल एस्टेट प्रोजेक्ट है। अमिताभ बच्चन अयोध्या में लगातार निवेश कर रहे हैं। इससे पहले मई 2025 में उन्होंने 'द सरयू' के पास ही 40 करोड़ रुपए में 25,000 वर्ग फुट का एक प्लॉट खरीदा था।

यूएई- कुवैत पर हमले में अमेरिकी एयरबेस तबाह : ईरान

तेल अवीव/तेहरान। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का आज आठवां दिन है। ईरान ने शनिवार को अमेरिका के हाई-वैल्यू मिसाइल डिफेंस रडार को नष्ट कर दिया। एक US अधिकारी के हवाले से ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब 300 मिलियन डॉलर का यह AN/TPY-2 रडार THAAD सिस्टम का हिस्सा था और जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी एयर बेस पर तैनात था।

फिल्म धुरंधर 2 का ट्रेलर रिलीज

डबल रोल में रणवीर सिंह का दमदार अंदाज, मूवी 19 मार्च को रिलीज होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर 2 का ट्रेलर शनिवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर आज सुबह 11:01 बजे जारी किया गया। बता दें कि धुरंधर 2 में रणवीर सिंह के अलावा अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर. माधवन भी नजर आएंगे। फिल्म को आदित्य धर ने लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। इसके साथ ही ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज ने प्रेजेंट किया है और यह बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह फिल्म 19 मार्च को दुनियाभर में रिलीज होगी। फिल्म को पांच भाषाओं - हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की रिलीज का समय भी खास है, क्योंकि यह गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर और ईद से ठीक पहले दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म 'धुरंधर 2' के ट्रेलर की शुरुआत एक तीखे डायलॉग से होती है, जिसमें कहा जाता है कि "हिंदू एक बहुत डरपोक कौम हैं।" इसके जवाब में एक चुनौतीपूर्ण आवाज सुनाई देती है। इसके बाद कहानी उस स्थिति की ओर बढ़ती है, जब अक्षय खन्ना के किरदार रहमान डकैत की मौत के बाद सड़कों पर अराजक माहौल बन जाता है। ट्रेलर में गोलीबारी और रॉकेट लॉन्चर के धमाकों के बीच यह सवाल उठता है कि रहमान के मरने के बाद अब लियारी का नया बादशाह कौन बनेगा? ट्रेलर में रणवीर सिंह जस्किरत सिंह रंगी और हमजा दोनों किरदारों में नजर आ रहे हैं। वहीं आर. माधवन, अजय सान्याल, अर्जुन रामपाल, आईएसआई मेजर इकबाल और संजय दत्त, एसपी चौधरी असलम के किरदार में दिखाई दिए। गौरतलब है कि फिल्म धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म ने दुनिया भर में करीब 1,303 करोड़ की कमाई की। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 836.95 करोड़ हुआ। इसके साथ ही यह भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी सिंगल-लैंग्वेज फिल्म बन गई है। विदेशी बाजारों में भी फिल्म धुरंधर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला।

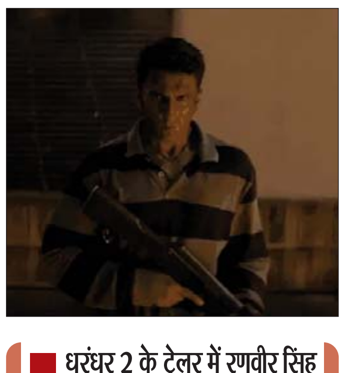

- धुरंधर 2 के ट्रेलर में रणवीर सिंह बेहद इंटेंस और आक्रामक अंदाज में दिखाई देते हैं।
- ट्रेलर में संजय दत्त का डायलॉग "रो क्यों रहा है लाले, तूने सुना नहीं, जहां दर्द है वहां मर्द है।" सुनाई देता है।

3550 सीढ़ियां चढ़कर मनाया जन्मदिन, भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए

नंगे पैर तिरुमला मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर

मुंबई/तिरुपति, एजेंसी

बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री Janhvi Kapoor ने इस वर्ष अपना जन्मदिन बेहद खास और आध्यात्मिक अंदाज में मनाया। अपने जन्मदिन के अवसर पर वह आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध Tirumala Temple पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान Venkateswara के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। जान्हवी कपूर का यह अंदाज उनके प्रशंसकों को काफी पसंद आया, क्योंकि उन्होंने अपने खास दिन को ग्लैमर या भव्य पार्टी की जगह भक्ति और आध्यात्मिकता के साथ मनाना चुना।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री ने मंदिर तक पहुंचने के लिए पारंपरिक पैदल मार्ग को चुना और करीब 3,550 सीढ़ियां नंगे पैर चढ़ीं।

बॉलीवुड में बनाई अलग पहचान

फिल्मी करियर की बात करें तो जान्हवी कपूर ने कम समय में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपनी अभिनय क्षमता और अलग-अलग तरह के किरदारों के कारण वह इंडस्ट्री की चर्चित युवा अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

सोशल मीडिया पर चर्चा में उनकी आस्था

जन्मदिन को इस तरह आध्यात्मिक तरीके से मनाने की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी चर्चा हो रही है। फैंस उनकी सादगी और धार्मिक आस्था की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि ग्लैमर की दुनिया में सक्रिय रहने के बावजूद जान्हवी कपूर अपनी संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ी हुई हैं।

बताया जा रहा है कि जान्हवी कपूर ने यह यात्रा तड़के सुबह शुरू की थी। रास्ते में मौजूद कई श्रद्धालुओं ने उन्हें देखा और उनकी सादगी की काफी सराहना की। पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और भगवान वेंकटेश्वर से आशीर्वाद प्राप्त किया।

चार साल पुरानी पार्टी आरएसपी ने 36 सीटें जीतीं, 83 पर बढ़त, बालेन शाह का प्रधानमंत्री बनना तय

कांग्रेस-वामपंथी पार्टियों का सफाया

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। RSP ने अब तक 36 सीटें जीत ली हैं, जबकि 83 पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। केपी ओली खुद भी झापा-5 सीट पर बालेन शाह से 31 हजार वोटों से पीछे चल रहे हैं। उन्हें सिर्फ 11,427 हजार वोट मिले हैं, जबकि बालेन शाह को 42,543 वोट मिल चुके हैं। ओली ने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का चुनाव जीता था। नेपाल में 110 सीटें पार्टियों को मिले कुल वोट प्रतिशत के आधार पर मिलती हैं। इसमें वोटर किसी उम्मीदवार को नहीं बल्कि किसी पार्टी को वोट देती है। पूरे देश में पार्टी को जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उसी हिसाब से उन्हें संसद में सीटें मिलती हैं इसमें भी बालेन शाह की RSP आगे है। चुनाव आयोग के अनुसार अब तक RSP को 54.8 प्रतिशत वोट मिले हैं। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी। नेपाल में चुनाव की व्यवस्था मिश्रित चुनाव प्रणाली पर आधारित है। यानी यहां दो तरीकों से सांसद चुने जाते हैं- सीधे चुनाव से और पार्टी को मिले कुल वोट के हिसाब से। संसद की 275 में से 165 सीटों पर सीधे चुनाव होता है। हर इलाके (निर्वाचन क्षेत्र) में लोग अपने उम्मीदवार को वोट देते हैं। जिस उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही जीतता है।

नेपाल में युवाओं का विदेश जाना बड़ा चुनावी मुद्दा

नेपाल में इस बार चुनाव के दौरान युवाओं का बड़े पैमाने पर विदेश जाना एक अहम मुद्दा बनकर उभरा है। देश में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण हर साल बड़ी संख्या में युवा काम की तलाश में खाड़ी देशों, मलेशिया और अन्य देशों का रुख करते हैं। इसका असर नेपाल की अर्थव्यवस्था, समाज और परिवारों पर भी पड़ रहा है। इसी वजह से लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपने चुनावी वादों में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं। दलों का कहना है कि युवाओं को विदेश जाने के लिए मजबूर होने की बजाय देश के भीतर ही रोजगार के बेहतर अवसर मिलना चाहिए। नेपाली कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि विदेश जाने वाले युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता और परामर्श की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वे विदेश में काम करते समय आने वाली मानसिक और सामाजिक चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपट सकें।

वोट % के आधार पर सीटें (प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन)

बाकी बची 110 सीटें पार्टियों को मिले कुल वोट प्रतिशत के आधार पर मिलती हैं। इसमें वोटर किसी उम्मीदवार को नहीं बल्कि किसी पार्टी को वोट देती है। पूरे देश में पार्टी को जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उसी हिसाब से उन्हें संसद में सीटें मिलती हैं। इस सिस्टम का मकसद यह है कि छोटे दलों और अलग-अलग सामाजिक समूहों को भी संसद में जगह मिल सके और कोई एक पार्टी पूरी तरह हावी न हो।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल 55 रुपए महंगा

पेट्रोल 336 और डीजल 321 रुपए लीटर हुआ

इस्लामाबाद,एजेंसी

पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है। सरकार का तर्क है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग व मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण अंतर-राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसकी वजह से यह फैसला लेना पड़ा। कीमतों में बढ़ोतरी की खबर आने के बाद होते ही पाकिस्तान के बड़े शहरों जैसे लाहौर और कराची में पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। लोगों को डर है कि आने वाले दिनों में कहीं तेल की किल्लत न हो जाए। पेट्रोल की कमी की अफवाहों और जमाखोरी की शिकायतों के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो भी लोग पेट्रोल का स्टॉक छिपाकर रख रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि वे मौजूदा पेट्रोल रिजर्व को लंबे समय तक खींचने की योजना बना रहे हैं।

झटका : ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत की आशंका, सरकार का एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े

नई दिल्ली,एजेंसी

केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिलेगी। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिलेगा। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई है। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस किल्लत की आशंका जताई गई है। सरकार ने 5 मार्च को इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने यह आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब रिफाइनरियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों को करनी होगी। सरकारी तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल (IOC), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) और भारत पेट्रोलियम (BPCL) शामिल है। इसका मकसद कंज्यूमर्स को बिना रुकावट गैस सिलेंडर की सप्लाई है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है।

बड़े शहरों में घरेलू सिलेंडर के दाम शहर नए दाम

शहर	नए दाम	पुराने दाम	अंतर
दिल्ली	₹913.00	₹853.00	₹60.00
कोलकाता	₹939.00	₹879.00	₹60.00
मुंबई	₹912.50	₹852.50	₹60.00
चेन्नई	₹928.50	₹868.50	₹60.00
भोपाल	₹918.50	₹858.50	₹60.00
जयपुर	₹916.50	₹856.50	₹60.00
पटना	₹1011.00	₹951.00	₹60.00
रायपुर	₹984.00	₹824.00	₹60.00

प्लांट पर ड्रोन हमले से एलएनजी का प्रोडक्शन रुका

पिछले हफ्ते अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसके जवाब में ईरान ने UAE, कतर, कुवैत और सऊदी जैसे देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और पोर्ट्स को निशाना बनाया है। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश कतर ने अपने LNG प्लांट का प्रोडक्शन रोक दिया है। इससे भारत में गैस की सप्लाई घट गई है।

एपस्टीन फाइल : ट्रम्प पर नाबालिग के यौन शोषण का आरोप

नए दस्तावेज में खुलासा, पहले अधिकारियों ने डुप्लीकेट बताकर रोक दिया था

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में न्याय विभाग ने कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए हैं। एफबीआई को दिए इंटरव्यू में महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से कराई थी। ट्रम्प ने उनका यौन शोषण किया। तब वे नाबालिग थीं। ये पेज पहले जारी नहीं किए गए थे। एफबीआई ने महिला के दावों से जुड़े 4 इंटरव्यू किए थे। पर शुरुआती रिलीज में सिर्फ एक इंटरव्यू का सार दिखा, जिसमें महिला ने एपस्टीन के खिलाफ आरोप बताए थे। बाकी तीन इंटरव्यू गायब होने पर सवाल उठ रहे थे। अधिकारियों ने अब कहा कि इन्हें गलती से 'डुप्लीकेट' मानकर रोक दिया गया था। बाद में रिव्यू किया तो यह बात गलत निकली। अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट हैंडल करने के तरीके को लेकर ट्रम्प सरकार पर सवाल उठा रही है। उनका आरोप है कि ट्रम्प प्रशासन ने एपस्टीन जांच से जुड़ी ऐसी जानकारियां दबाईं, जो ट्रम्प को नुकसान पहुंचा सकती थीं। हाउस की एक कमेटी ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नोटिस जारी करने के पक्ष में वोट किया। उन्हें कोर्ट में जवाब देना होगा। ट्रम्प पर आरोप लगाने वाली महिला के 2019 में FBI ने कई इंटरव्यू लिए थे। गुरुवार को जो डॉक्यूमेंट जारी हुए हैं, उनमें इन्हीं इंटरव्यू के डिटेल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस इंटरव्यू में उस महिला ने आरोप लगाया कि जब उसकी उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, तब एपस्टीन और ट्रम्प ने उसका यौन-शोषण किया था। एक इंटरव्यू में महिला ने कहा कि एपस्टीन उसे न्यूयॉर्क या न्यूजर्सी ले गया था और वहीं ट्रम्प से मिलवाया था। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब ट्रम्प उस पर सेक्स करने के लिए दबाव डाल रहे थे, तब उसने उन्हें काट भी लिया था। महिला का यह भी दावा है कि पिछले कई सालों में उसे और उसके करीबी लोगों को चुप रहने के लिए धमकी भरे कई फोन कॉल भी आए थे। महिला का मानना है कि ये कॉल एपस्टीन से जुड़े लोगों की तरफ से हो सकते थे। एपस्टीन फाइल्स में ट्रम्प का नाम 38 हजार से अधिक बार दर्ज है। रिकॉर्ड में 1990 के दशक में एपस्टीन के निजी विमान से 7-8 यात्राओं का जिक्र है। ट्रम्प के मार-ए-लागो क्लब की गेस्ट लिस्ट में भी शामिल हैं।

एलडीए बनाएगा पार्क व्यू अपार्टमेंट्स

364 प्रीमियम फ्लैट होंगे, कल से पोर्टल पर शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

तमसा संकेत, एजेंजी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) बसंत कुंज योजना में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के सामने प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट 'पार्क व्यू अपार्टमेंट्स' विकसित करेगा। इस प्रोजेक्ट में 154 और 195 वर्गमीटर के कुल 364 फ्लैट बनाए जाएंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इसके लिए आदेश जारी कर दिया है। LDA के अनुसार, फ्लैटों के लिए पंजीकरण 7 मार्च से शुरू होकर 6 अप्रैल 2026 तक चलेगा। इच्छुक लोग सिर्फ एलडीए के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पंजीकरण के लिए फ्लैट के अनुमानित मूल्य का 5 प्रतिशत शुल्क जमा करना होगा, जबकि आरक्षित वर्ग के लिए यह शुल्क 2.5 प्रतिशत रखा गया है। फ्लैटों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी के जरिए किया जाएगा। एलडीए ने इस प्रोजेक्ट का निर्माण तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

सोसाइटी में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

एलडीए के विशेष कार्याधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि सोसाइटी में स्विमिंग पूल, पार्क, क्लब हाउस, किड्स प्ले एरिया, पावर बैकअप और 455 से अधिक वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। इसके अलावा अपार्टमेंट से राष्ट्र प्रेरणा स्थल का सीधा दृश्य भी दिखाई देगा। परिसर में लोगों की जरूरतों को देखते हुए कॉमर्शियल दुकानों का भी निर्माण किया जाएगा।

प्राइम लोकेशन पर होगा प्रोजेक्ट

अपार्टमेंट से ग्रीन कॉरिडोर, आईआईएम रोड, दुबग्गा रोड और चौक जैसे प्रमुख क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच होगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को शुरू करने से पहले ऑनलाइन डिमांड सर्वे कराया गया था, जिसमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद इसे मंजूरी दी गई। करीब 13,350 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बनने वाले इस अपार्टमेंट में कुल चार टावर बनाए जाएंगे। टावर ए और बी में 16-16 मंजिल, टावर सी में 20 मंजिल और टावर डी में 17 मंजिल होंगी। इसमें 3 बीएचके और 3 बीएचके प्लस सर्वेंट श्रेणी के फ्लैट बनाए जाएंगे। करीब 154 वर्गमीटर के 3 बीएचके फ्लैट की शुरुआती कीमत लगभग 75 लाख रुपए होगी, जबकि 195 वर्गमीटर के 3 बीएचके प्लस सर्वेंट फ्लैट की कीमत करीब 95 लाख रुपए से शुरू होगी।

"एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि पार्क व्यू अपार्टमेंट्स की लोकेशन काफी प्राइम होगी। यह प्रोजेक्ट पुराने लखनऊ के घनी आबादी वाले इलाके के पास विकसित किया जाएगा, जहां आवासीय जमीन मिलना मुश्किल है।"

कई प्रमुख नेताओं ने थामा समाजवादी पार्टी का दामन

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों में विश्वास जताते हुए कई प्रमुख नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सभी नए साथियों ने अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया और 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का भरोसा जताया।अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल हुए सभी नए साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी एकजुटता से पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी के सहयोग और मेहनत से वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी प्रदेश में सरकार बनाएगी। समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से एडवोकेट

Rohit Kumar Pandey शामिल हैं, जो Indian National Congress के चुनाव चिन्ह पर Sant Kabir Nagar से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। इसके अलावा Border Security Force के पूर्व डीआईजी Ram Salat Ram तथा Muzaffarnagar के Ankit Singh ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रगतिशील शिक्षक एवं प्रबुद्ध समाज मंच के प्रयागराज, लखनऊ, इटावा, लखीमपुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, कौशाम्बी, आजमगढ़, संतकबीर नगर, ललितपुर, कानपुर नगर, कुशीनगर, गोरखपुर ग्रामीण एवं नगर, अंबेडकर नगर और सिद्धार्थनगर सहित विभिन्न इकाइयों के शिक्षकों और बुद्धिजीवियों ने भी बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बताया गया कि विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष Lal Bihari Yadav के विशेष प्रयासों से प्रगतिशील शिक्षक एवं प्रबुद्ध समाज मंच के सदस्यों ने समाजवादी पार्टी में शामिल होकर समर्थन दिया।

फास्ट न्यूज़

इजराइल-ईरान संकट के बीच लखनऊ से फ्लाइट शुरू

लखनऊ। इजराइल-ईरान संकट के बीच 6 दिन बाद लखनऊ से फ्लाइट शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को 1303 लोगों ने यात्रा की। इनमें खाड़ी देशों से आने वाले यात्रियों की संख्या 838 रही। वहीं, 465 लोगों ने लखनऊ से उन देशों के लिए उड़ान भरी। लखनऊ एयरपोर्ट से दिनभर में कुल 9 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित हुईं, जिनमें खाड़ी देशों से आने वाली और वहां जाने वाली दोनों तरह की फ्लाइट शामिल रहीं।

सिजेरियन डिलीवरी के 15 दिन बाद महिला की मौत

कानपुर। कानपुर के शिवराजपुर थाना क्षेत्र एक महिला की मौत हो गई। महिला ने 15 दिन पहले ऑपरेशन से बच्चे को जन्म दिया था। तबियत में सुधार ना होने के चलते उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार रात हालत गंभीर होने पर पति ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसने दम तोड़ दिया। मामले की जानकारी महिला के मायके पक्ष को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद महिला के भाई ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के भाई की तरफ से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुबह करीब 10:30 बजे पति को हिरासत में लेकर जांच शुरू की।

पति का मौलवी से इलाज कराने के नाम पर गैंगरेप

पानीपत। हरियाणा में पानीपत की एक महिला से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में गैंगरपे किया गया। महिला का कहना है कि पति काफी बीमार रहते हैं। इसलिए परिवार परेशान है। एक जानकार ने मुझे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक मौलवी से इलाज करवाने की बात कही। वहां 3 दिन तक मुझे बंधक बनाकर रखा और गैंगरेप किया। बड़ी मुश्किल से मैं उनकी चंगुल से छूटकर भागी।

केजीएमयू में दरगाह के अतिक्रमण को हटाया गया

होली की छुट्टी के दौरान हुआ था कब्जा, बांस-बल्ली बांधी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। केजीएमयू में मजार के पास फिर से हुए अतिक्रमण को आज हटा दिया गया। इस दौरान काफी गहमा-गहमी रही। भारी पुलिस बल तैनात रही। केजीएमयू प्रशासन ने साफ कर दिया कि परिसर में किसी भी तरह का अतिक्रमण नहीं होने देंगे प्रॉक्टर डॉ. आरएस कुशवाहा भी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि होली के दौरान कुछ लोगों ने बांस बल्ली लगाकर अतिक्रमण कर लिया था। अतिक्रमण करने वालों की जानकारी नहीं मिली है। अतिक्रमण हटा दिया गया है। हरमैन शाह दरगाह पर ही आगे बांस-बल्ली लगाकर दरगाह के परिसर को बढ़ाने की कोशिश की गई थी। कार्रवाई करने पहुंची टीम ने बांस-बल्ली निकाली। उन्हें दरगाह के पास में ही रख दिया। कुछ देर बांस-बल्ली वहां से हटाई गई। परिसर में पुलिस बल तैनात है। दरगाह से अतिक्रमण हटाने के बाद

■ हरमैन शाह दरगाह के परिसर को बढ़ाने के लिए बांधी गई बांस-बल्ली हटाई गई।

कमेटी के लोग पैरामेडिकल साइंस के डीन डॉ. के.के. सिंह से मिलने के लिए पहुंचे। हालांकि, कमेटी के लोग इससे इनकार करते दिखे। उन बांस-बल्लियों को भी हटाया गया। कार्रवाई करने पहुंची टीम ने बांस-बल्ली निकाली। उन्हें दरगाह के पास में ही रख दिया। कुछ देर बांस-बल्ली वहां से हटाई गई। परिसर में पुलिस बल तैनात है।

केशव मौर्य के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

2000 फीट ऊंचाई पर अचानक डिस्प्ले बंद हुआ, अंदर धुआं भरा

■ केशव सरस महोत्सव कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए दूसरे हेलिकॉप्टर से कौशांबी रवाना हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य के हेलिकॉप्टर की शनिवार को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उन्होंने लखनऊ से कौशांबी के लिए उड़ान भरी थी। 15 मिनट बाद ही हेलिकॉप्टर का डिस्प्ले अचानक बंद हो गया। अंदर धुआं भरने लगा। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को सूचना दी। इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। विमान तब तक 50 किमी दूर बछरावां तक पहुंच गया था। अनुमति मिलते ही पायलट ने वापस लखनऊ एयरपोर्ट की तरफ मोड़ दिया। एयरपोर्ट पर सुबह 11.15 बजे हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करवाई। लैंडिंग तक हेलिकॉप्टर में काफी धुआं भर गया था। हेलिकॉप्टर से केशव समेत 6 लोगों को

फाइल फुटेज

सुरक्षित नीचे उतारा गया। पायलट ने जैसे-तैसे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलिकॉप्टर को लखनऊ एयरपोर्ट में उतारा। इस दौरान फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस भी पहुंच गई थी। केशव मौर्य अब दूसरे हेलिकॉप्टर से कौशांबी रवाना हो गए। वहां केशव मौर्य, दो दिवसीय सरस महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। केशव मौर्य जिस हेलिकॉप्टर से सफर कर रहे थे, वह यूपी सरकार का है। इसकी जिम्मेदारी नागरिक उड्डयन विभाग के पास है। ईशान प्रताप सिंह इस विभाग के निदेशक हैं। वह सीएम के विशेष सचिव भी हैं। केशव के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी 3 बार उनके हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ चुकी है।

केशव के हेलिकॉप्टर ने लखनऊ के ला मार्टिनियर स्कूल ग्राउंड से उड़ान भरी। यह ग्राउंड उनके आवास के पास ही है। हेलिकॉप्टर में केशव समेत 6 लोग थे- दो पायलट, एडवाइजर, एक क्लास फोर का स्टाफ और सिक्योरिटी। हेलिकॉप्टर 2000 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गया। तभी पायलट को विमान में गड़बड़ी का पता चला।

पहले कब-कब हुई केशव के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

■ **28 फरवरी 2022 :** चुनावी सभा के लिए जा रहे थे। रास्ते में ईंधन की कमी की वजह से हेलिकॉप्टर को कुशीनगर के महावीर इंटर कॉलेज के मैदान में उतारना पड़ा।

■ **14 फरवरी 2019:** आजमगढ़ दौरे के लिए उड़ान भरते ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत वापस लखनऊ में सुरक्षित लैंडिंग कराई थी।

■ **30 मार्च 2018 :** आजमगढ़ से लखनऊ लौटते समय हेलिकॉप्टर में गड़बड़ी आई। रायबरेली के फुरसतगंज में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी।

लूट में बरामद नोटों की खुली सील पर जज नाराज

आगरा। लूट के एक मामले में बरामद नकदी को सील खोलकर अदालत में पेश किए जाने पर एडीजे-12 महेंद्र कुमार ने कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने इस पर सवाल उठाते हुए थाना एत्मादपुर के थानाध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के आदेश दिए हैं। मामला थाना एत्मादपुर में दर्ज लूट और माल बरामदगी के मुकदमे से जुड़ा है, जिसमें जितेंद्र सिंह व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपियों से बरामद करीब 2 लाख 90 हजार रुपये को सीलबंद कर रखा था। बाद में वादिनी श्रीमती राजकुमारी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से एडीजे-12 की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर बरामद नोटों को अवमुक्त कराने की मांग की। सुनवाई के दौरान जब थाना एत्मादपुर पुलिस बरामद नकदी अदालत में पेश करने पहुंची तो नोटों के बंडल की सील खुली पाई गई। इस पर एडीजे-12 महेंद्र कुमार ने नाराजगी जाहिर करते हुए अदालत में सवाल किया कि आखिर सील किसके आदेश से खोली गई।

भाजपा सरकार माफियाओं और भ्रष्टाचार की सरकार: अखिलेश

समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की साजिश का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह माफियाओं की सरकार है और इतिहास की सबसे भ्रष्ट व अराजक सरकार साबित हुई है। शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के कारण महंगाई चरम पर पहुंच गई है। सरकार लगातार टैक्स लगाकर महंगाई बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि एलपीजी गैस के दाम भी 60 रुपये बढ़ा दिए गए हैं और एक बार जब किसी वस्तु की कीमत बढ़ जाती है तो वह कम नहीं होती। अखिलेश यादव

ने आरोप लगाया कि भाजपा समाजवादी पार्टी को बदनाम करने के लिए षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा को बदनाम करने के उद्देश्य से एक गाना लॉन्च कराया गया है। इस मामले में समाजवादी पार्टी की ओर से एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का विजन विकास, नौकरी और रोजगार देना है। उन्होंने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी सरकार में देश का सबसे बेहतरीन Agra–Lucknow Expressway बनाया गया, मुख्यमंत्री कार्यालय लोकभवन का निर्माण कराया गया और विश्वस्तरीय कैंसर संस्थान स्थापित किया गया। इसके अलावा Gomti Riverfront का निर्माण कर नदियों की सफाई के लिए एक नया विजन दिया गया। उन्होंने बताया कि समाजवादी सरकार के दौरान करीब 20 लाख छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए गए, 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाएं शुरू की गईं और 1090 वीमेन हेल्पलाइन सेवा भी लागू की गई। साथ ही प्रदेश के जिलों को फोरलेन सड़कों से जोड़ने का काम किया गया।

घटना : झगड़े के बाद पत्नी मायके गई, ससुर लेने गए तो नहीं आई, दुखी होकर जहर खाया

शादी के 10 महीने बाद कारोबारी ने किया सुसाइड

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में पत्नी के मायके से न लौटने से दुखी स्क्रैप कारोबारी ने सुसाइड कर लिया। उसकी 10 महीने पहले ही शादी हुई थी। झगड़ा होने पर पत्नी दो सप्ताह पहले मायके चली गई थी। ससुर लेने गए तो आने से मना कर दिया। मृतक का नाम अंकन जोशी उर्फ अंकित (24) पुत्र राजू जोशी था। वह शिवपुरी के करेरा का रहने वाला था। मृतक के पिता राजू जोशी ने बताया- मेरा बेटा स्क्रैप की खरीद-फरोख्त का काम करता था। मैंने 29 अप्रैल 2025 को अपने बेटे अंकन की शादी डबरा निवासी प्रीति से की थी। 21 फरवरी को प्रीति मायके जाना चाहती थी, लेकिन अंकन राजी नहीं था। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। नाराज होकर अंकन ने प्रीति को मायके छोड़ दिया। कई दिन मायके में रहने के बाद भी प्रीति वापस नहीं आ रही थी। अंकन के फोन करने पर भी वह नहीं आई। पिता ने बताया कि बहू को लेने गए थे, लेकिन वो नहीं आई।

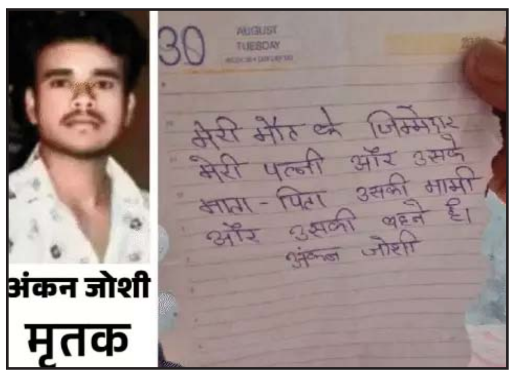

अंकन जोशी मृतक

"पत्नी ने कहा- पति लेने आएंगे, तभी ससुराल आउंगी। शुक्रवार को कारोबारी के पिता घर लौट पाते, उससे पहले ही कारोबारी ने जहर निकल लिया। परिजन आनन फानन में झांसी मेडिकल कॉलेज लाए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी जेब से एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें कारोबारी ने पत्नी समेत उसके परिजनों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूरा मामला झांसी से सटे मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा कस्बे का है।

पिता घर नहीं आ पाए जहर खाया

पिता ने आगे बताया- गुरुवार को मैं बहू को लेने के लिए उसके मायके गया था। लेकिन बहू के परिवारवालों ने भेजने से मना कर दिया। शुक्रवार को मुझे घर लौटना था। मगर बहू साथ आने को तैयार नहीं हुई। बहू और उसके घरवाले कहने लगे कि जब अंकन लेने आएगा, तब जाएंगे। यह खबर अंकन तक पहुंच गई। उसने घर पर सल्फास की गोली खा ली। तबीयत बिगड़ने पर अपनी मां और भाई को जानकारी दी। तब वे उसे लेकर झांसी मेडिकल कॉलेज आए। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पिता सीधे झांसी पहुंच गए।

मेरी मौत के लिए पत्नी जिम्मेदार

पिता ने आगे बताया- अंकन की जेब से तलाशी के दौरान चार लाइन का सुसाइड नोट भी बरामद हुआ। डायरी के पन्ने को फाड़कर लिखे इस सुसाइड नोट में उसने लिखा- मेरी मौत के जिम्मेदार मेरी पत्नी और उसके माता-पिता, उसकी मामी और उसकी बहनें हैं। पुलिस ने इस सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर मामले की भी जांच शुरू कर दी है। नवाबाद थाना प्रभारी रवि श्रीवास्तव के मुताबिक, पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट करेरा पुलिस को भेजी जाएगी। घटना करेरा की है।

पृष्ठ 01 का शेष...

नेता नहीं होता...

वहीं ईरान जैसे देशों में भी सेना अब बैटरी, ऑप्टिक्स और इलेक्ट्रिक मोटर वाली तकनीक की तरफ बढ़ रही है। इन नई तकनीकों में अभी चीन की पकड़ सबसे मजबूत है। यह भारत के लिए चिंता की बात है। लेकिन सही नीति और दूरदृष्टि हो तो भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नई तकनीक के क्षेत्र में चीन को टक्कर दे सकता है।

बंगाल में ...

ये असल में सिलीगुड़ी के बिधाननगर में होने वाला था। हालांकि, सुरक्षा और दूसरे लॉजिस्टिक कारणों का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने जगह को बागडोगरा एयरपोर्ट के पास गोपालपुर में शिफ्ट कर दिया। जब राष्ट्रपति शनिवार दोपहर को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, तो कुछ ही लोग मौजूद थे। सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने वाले अकेले प्रतिनिधि थे। प्रोटोकॉल के मुताबिक, राष्ट्रपति को रिसीव करने के लिए आमतौर पर मुख्यमंत्री या राज्य सरकार का कोई मंत्री मौजूद होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विवाद पर X पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि जो लोग डेमोक्रेसी को मजबूत बनाने में यकीन रखते हैं और आदिवासी समुदाय, सभी बहुत दुखी हैं। उन्होंने कहा कि प्रेसिडेंट का पद पॉलिटिक्स से ऊपर है, और इस पद की गरिमा हमेशा बनी रहनी चाहिए। उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल सरकार और तृणमूल कांग्रेस को होश आएगा। राष्ट्रपति मुर्मू के बयान पर ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल पर कमेंट करने से पहले आपको BJP शासित राज्यों की हालत देखनी चाहिए। सिर्फ एक पॉलिटिकल पार्टी की बात सुनकर कमेंट करना सही नहीं है। CM ने कोलकाता में एक विरोध प्रदर्शन वाली जगह पर कहा कि BJP इतना नीचे गिर गई है कि वे राज्य को बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति को उनके कार्यक्रम में राज्य के प्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी के बारे में दी गई जानकारी गलत थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम में कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में संथाल समुदाय के योगदान को सही पहचान नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि कई महान हस्तियों को जानबूझकर इतिहास में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने युवाओं से शिक्षा अपनाने, भाषा और परंपराओं को बचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह संताल समुदाय के लिए गर्व की बात है कि हमारे पूर्वज, तिलका मांझी ने लगभग 240 साल पहले शोषण के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाया था। उनके विद्रोह के लगभग 60 साल बाद, बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू और चांद-भैरव ने बहादुर बहनों फूलो-झानो के साथ मिलकर 1855 में संताल हुल का नेतृत्व किया।

किसी की औकात ...

शंकराचार्य की यात्रा में 20 से अधिक गाड़ियां हैं। 500 से अधिक श्रद्धालु साथ हैं। इस दौरान लोगों को पोस्टर बांटे गए। इनमें लिखा है- जिंदा हिंदू लखनऊ चलें। इससे पहले, शंकराचार्य सुबह 8.30 बजे मठ से निकलकर गौशाला पहुंचे। गाय की पूजा की। फिर पालकी पर सवार हुए। मठ से 300 मीटर दूर स्थित चिंतामणि गणेश मंदिर पहुंचे। यहां 11 बटुकों ने उनका स्वागत किया। फिर पूजा-अर्चना कर संकट मोचन मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और अपने संकल्प को दोहराया। इसके बाद शंखनाद और जयकारों के बीच अपनी वैनिटी वैन से लखनऊ के लिए रवाना हुए।

योगी की मां पर...

उन्होंने कहा, मां का दर्ज़ा किसी भी धर्म में बहुत ऊपर होता है। इस्लाम में भी मां को बहुत बड़ा दर्जा दिया गया है, लेकिन ऐसे पाठ इस मौलाना ने नहीं पढ़े हैं। इस प्रकार की भद्दी टिप्पणी करना बंद करें, उन्हें माफी मांगनी चाहिए। प्रदर्शन कर रहे लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र अभिषेक ने कहा, मौलाना ने हमारे मुख्यमंत्री की मां को गाली दी है। अगर बयान देने वाला शख्स माफी नही मांगता है, तो कल हम लोग इससे बड़ी संख्या में आएंगे, प्रदर्शन करेंगे। ऐसे लोग राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। योगी आदित्यनाथ की नीतियों का विरोध कीजिए, उनके विचारों का विरोध कीजिए, मगर उनकी मां पर टिप्पणी करना बेहद गलत है। कल हमारे घरों से माएं और बहनें बाहर निकलेंगी और प्रदर्शन करने आएंगी। प्रदर्शन कर रहे जतिन शुक्ला ने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो जो हाल पुतले का हुआ है वही मौलाना का होगा। मौलाना की टिप्पणी पर अयोध्या के संत-महंत नाराज हैं।

ममता बनर्जी ...

धरना स्थल पर ममता के साथ तृणमूल कांग्रेस (TMC) के वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद हैं। ममता ने कहा कि 10वीं पास कर चुके 21-40 वर्ष के युवा बेरोजगार लड़के-लड़कियों को 7 मार्च से प्रति माह 1,500 रुपए मिलेंगे। यह सहायता मूल रूप से अप्रैल में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब यह तुरंत शुरू हो जाएगी। LPG की कीमतें फिर से बढ़ा दी गई हैं। अब आपको 21 दिन पहले गैस बुक करानी होगी, तो अगर आपके घर में LPG खत्म हो जाए तो आप 21 दिन क्या करेंगे? खाएंगे क्या? क्या आप घर पर खाना मंगवाएंगे? यहां तक कि केरोसिन का कोटा भी कम कर दिया गया है। ममता ने दावा किया कि उन्होंने एक दिन पहले एक ट्वीट में देखा था कि बंगाल और बिहार को विभाजित करके एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, अगर उनमें हिम्मत है।

ढाबे पर युवक ने खुद का काटा गला, सीसीटीवी

आस-पास खड़े लोग देखते रहे, दिल्ली से लौट रहा था सैलून कर्मचारी

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में दिल्ली से लौट रहे एक सैलून कर्मचारी ने ढाबे पर चाकू से अपना गला काट लिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें युवक महज 15 सेकंड में अपनी जान लेता दिखा। मृतक की पहचान शाही थाना क्षेत्र के गांव दुनका निवासी 26 वर्षीय सलमान के रूप में हुई है। वह अहमदजान का बेटा था और दिल्ली में अपने चचेरे भाई के साथ सैलून में काम करता था। बृहस्पतिवार को सलमान टैक्सी से दिल्ली से बरेली लौट रहा था। रास्ते में गढ़ क्षेत्र के अठसैनी गांव के पास हाईवे किनारे एक ढाबे पर टैक्सी रुकी। सलमान टैक्सी से उतरकर कुछ देर ढाबे के आसपास टहलता रहा। इसी दौरान उसने कैश काउंटर पर रखा एक चाकू उठाया और अचानक अपना गला काट लिया। जब तक ढाबे के कर्मचारी और अन्य लोग कुछ समझ पाते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और

सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में सलमान को अपनी गर्दन काटते हुए देखा गया। उसके पास मिले आधार कार्ड से पहचान कर परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस ने बताया कि परिजनों से बातचीत में सामने आया है कि सलमान लंबे समय से तनाव में था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया हो सकता है। फिलहाल परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। परिजनों के अनुसार, सलमान छह भाइयों में चौथे नंबर पर था और कुछ समय से शराब का आदी हो गया था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676